लापरवाही क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा जमुना कोतमा क्षेत्र प्रशासन, कट चुका है पुलिया का लगभग 30 प्रतिशत कॉलम

लहसुई कैम्प-गोविंदा वार्ड मार्ग की पुलिया हुई जर्जर

धंसने लगी जमीन
मौके पर स्थिति भयावह है।

कोतमा नवभारत 7 अप्रैल। भाजपा मंडल कोतमा मीडिया प्रभारी ने बताया की एक ओर कॉलरी प्रशासन सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है।

लहसुई कैम्प वार्ड क्रमांक 13 और गोविंदा वार्ड क्रमांक 12 को जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित एक महत्वपूर्ण पुलिया आज विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। पिछले एक साल से मुख्य पाइपलाइन में हो रहे पानी के रिसाव (लीकेज) ने पुलिया की नींव को खोखला कर दिया है। पाइपलाइन से निकलने वाली पानी की तेज धार सीधे पुलिया के स्ट्रक्चर से टकरा रही है, जिससे पुलिया का लगभग 30 प्रतिशत कॉलम कट चुका है। पानी के निरंतर जमाव और प्रहार के कारण आसपास की जमीन धसने लगी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो यह पुलिया कभी भी धराशायी हो सकती है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

बोरी बांधकर खानापूर्ति, समाधान का इंतजार

हैरानी की बात यह है कि स्थानीय निवासियों ने समय-समय पर जमुना कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित कराया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। मरम्मत के नाम पर पाइप पर महज एक प्लास्टिक की बोरी बांधकर औपचारिकता पूरी कर ली गई। यह लापरवाही तब और भी डरावनी लगती है जब हाल ही में इलाके में एक तीन मंजिला लॉज गिरने से तीन जिंदगियां काल के गाल में समा गई थीं।

प्रशासन से सवाल

क्या एक साल का समय लीकेज ठीक करने के लिए पर्याप्त नहीं था? क्या इंसानी जान की कीमत केवल एक 'प्लास्टिक की बोरी' जितनी रह गई है? क्या प्रबंधन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागने की कसम खा चुका है? क्षेत्रीय जनता अब इस मामले में जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रही है ताकि किसी अप्रिय घटना को टाला जा सके।

इनका कहना है

हम बार-बार गुहार लगा रहे हैं, लेकिन प्रबंधन गहरी नींद में सोया है। क्या प्रशासन किसी और बड़ी मौत का इंतजार कर रहा है? अगर यह पुलिया गिरती है और कोई जनहानि होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी जमुना कोतमा क्षेत्र प्रबंधन की होगी।
दीपेश जैन

जर्जर शासकीय भवन से हादसे का खतरा

आवेदन सौंपकर की गई कार्रवाई की मांग

अनूपपुर, नवभारत 7 अप्रैल। नगर परिषद बंगवा राजनगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 में एक जर्जर शासकीय भवन लोगों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। राजनगर निवासी राहुल जायसवाल ने इस संबंध में प्रशासन को आवेदन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन के अनुसार राजेन्द्र प्रसाद बस स्टैंड के पास महाराणा बिल्डिंग के नजदीक स्थित यह शासकीय भवन पिछले करीब दो वर्षों से अत्यंत खराब स्थिति में है। भवन की दीवारें और छत कमजोर हो चुकी हैं, जिससे इसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। आसपास रहने वाले नागरिकों और राहगीरों के लिए यह स्थिति गंभीर खतरा पैदा कर रही है। राहुल जायसवाल ने बताया कि इस मामले में पहले भी संबंधित विभागों और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

भवन की मरम्मत करने की मांग

लगातार अनदेखी के चलते भवन की हालत और भी जर्जर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन के आसपास हमेशा लोगों की आवाजाही बनी रहती है, ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द भवन को हटाने या मरम्मत कराने की दिशा में कार्रवाई की जाए, ताकि संभावित जनहानि से बचा जा सके।

जिला कांग्रेस ने प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

कोतमा लॉज हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

कोतमा, नवभारत 7 अप्रैल। 4 अप्रैल को कोतमा बस स्टैंड के पास हुए दर्दनाक लॉज हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 6 अप्रैल की शाम गांधी चौक कोतमा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, नागरिक, समाजसेवी शामिल हुए। सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर तथा कैंडल जलाकर हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

आर्थिक सहायता देने की मांग

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान ने घटना को बेहद दुखद और चिंताजनक बताते हुए स्थानीय प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, ऐसे में पीड़ितों को पर्याप्त सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये मुआवजा, आश्रितों को शासकीय नौकरी तथा घायलों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए।

गुम मोबाइल लौटाकर पुलिस ने जीता भरोसा

अनूपपुर, नवभारत। रामनगर थाना पुलिस ने एक बार फिर संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए एक गुम मोबाइल फोन को बरामद कर उसकी मालकिन को सौंपकर लोगों का भरोसा जीता है। जानकारी के अनुसार, राजनगर निवासी सुधा शर्मा, जो एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के राजनगर सब एरिया ऑफिस में कार्यरत हैं, अपने घर में अकेले रहती हैं। उनके बच्चे बाहर नौकरी करते हैं। हाल ही में वे पुरी (ओड़िशा) यात्रा पर गई थीं, जहां से लौटते समय 4 मार्च को उनका सैमसंग मोबाइल फोन गुम हो गया। रामनगर पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मोबाइल की तलाश शुरू की और जल्द ही उसे बरामद करने में सफलता हासिल की।

निर्माण कार्यों पर सख्ती, जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण के निर्देश

कलेक्टर ने कहा- बिना अनुमति निर्माण पर होगी कार्रवाई

अनूपपुर, नवभारत 7 अप्रैल। जिले में भवन निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित बिल्डिंग डेवलपमेंट रूल्स के अनुसार ही किए जाएं। बिना अनुमति के नए निर्माण कार्य पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में नए निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इसके लिए एसडीएम और तहसीलदारों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी और उपयंत्रियों को भी निर्माण संबंधी गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए।

विशेष अभियान चलाया जाएगा

कलेक्टर ने बताया कि आगामी 7 दिनों के भीतर विशेष अभियान चलाकर सभी भूमि स्वामियों से नियमों के पालन का प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाएगा। साथ ही जिन भवनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई है, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जर्जर और असुरक्षित भवनों को शीघ्र ध्वस्त करने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सके।

डेटा संग्रहण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए

बैठक में जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने इसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बताया और अधिकारियों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर डेटा संग्रहण पूरी तरह शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के 17,262 वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

एक नजर में

सामतपुर तालाब में चलाया गया स्वच्छता अभियान

अनूपपुर, नवभारत। नगरपालिका परिषद अनूपपुर द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सामतपुर तालाब में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान तालाब के घाटों की सघन सफाई कर उन्हें स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य किया गया। नगरपालिका के स्वच्छता अमले ने तालाब के आसपास फैले कचरे, प्लास्टिक, सूखी पत्तियों और जलीय घास को हटाकर घाटों को साफ किया। अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों को जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और उनमें कचरा न डालने की शपथ भी दिलाई गई। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए तालाब की जल भराव क्षमता बढ़ाने और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही तालाब के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

100 दिन से हाथियों का डेरा, एक नर लापता; वन विभाग अलर्ट

अनूपपुर, नवभारत। जिले में पिछले 100 दिनों से विचरण कर रहे तीन हाथियों का दल इन दिनों वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम के तुलरा बीट के जंगल में पांचवें दिन विश्राम कर रहा है। दिन में जंगलों में ठहरने वाले ये हाथी रात होते ही गांवों के खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार हाथियों का यह दल छत्तीसगढ़ के मरवाही क्षेत्र से करीब 106 दिन पहले अनूपपुर जिले में प्रवेश किया था। अनूपपुर और जैतहरी क्षेत्रों से होते हुए यह दल शहडोल जिले के बुढार वन परिक्षेत्र तक गया और फिर वापस अनूपपुर के अहिरगवां क्षेत्र में लौट आया। इसके बाद डिंडौरी में कुछ दिन विचरण करने के बाद अब फिर से राजेंद्रग्राम क्षेत्र के तुलरा जंगल में डेरा डाले हुए है। हाथियों द्वारा रात के समय खेतों में घुसकर गेहूं सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। तुलरा गांव के दिलेर सिंह और यादवेंद्र दीक्षित के खेतों में लगी गेहूं की फसल को लगातार दो दिनों तक हाथियों ने अपना आहार बनाया।

एक साल से फरार आरोपी तेलंगाना से गिरफ्तार

अनूपपुर, नवभारत। थाना करनपठार पुलिस ने लगभग एक साल से फरार चल रहे आरोपी को तेलंगाना राज्य से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 24 जून 2025 को सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 8 जनवरी 2025 को वह दुकान गई थी, उसी दौरान आरोपी लखन साहू उसे जबरन अपने साथ गाडासराई ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस मामले में थाना करनपठार में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान आरोपी लखन साहू निवासी ग्राम समनापुर जिला डिंडोरी फरार हो गया था। साइबर सेल अनूपपुर की मदद से पुलिस टीम ने आरोपी का लोकेशन ट्रेस कर तेलंगाना राज्य से उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर मेडिकल परीक्षण कराया गया और न्यायालय राजेंद्रग्राम में पेश किया गया।

जनजाति विवि में घटिया भोजन पर सांसद की फटकार

मेस संचालक पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अनूपपुर, नवभारत 7 अप्रैल। जिले में स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में छात्रावास की छात्राओं को परोसे जा रहे गुणवत्ताहीन भोजन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

मंगलवार को छात्राओं ने सांसद हिमाद्री सिंह के निवास पहुंचकर मेस में खराब भोजन दिए जाने की शिकायत की। छात्राओं ने आरोप लगाया कि मेस में मिलने वाला खाना बेहद घटिया स्तर का है, जिसमें कई बार कीड़े-मकोड़े तक पाए गए हैं। इससे छात्राओं को भोजन करने में परेशानी हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि शिकायत करने पर मेस संचालक का रवैया असंवेदनशील रहता है और वह कहता है खाना हो तो खाओ, नहीं तो मत खाओ।

टेंडर तत्काल निरस्त किया जाए

मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छात्राओं को शुद्ध और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि मेस संचालक द्वारा लापरवाही बरती जा रही है, तो उसका टेंडर तत्काल निरस्त कर सख्त कार्रवाई की जाए।

विवि प्रशासन ने व्यवस्था सुधारने का दिया आश्वासन

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि सांसद के हस्तक्षेप के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द ही भोजन व्यवस्था सुधारने और शिकायतों के निराकरण का आश्वासन दिया है। साथ ही मेस संचालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं और छात्राओं ने शीघ्र सुधार की मांग की है।

महिलाओं ने जनसुनवाई में पहुंचकर की शिकायत

रेशम प्लांटेशन के प्रभारी पर महुआ छीनने का आरोप

अनूपपुर, नवभारत 7 अप्रैल। जनपद जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहरी से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां रेशम प्लांटेशन में कार्यरत एक कर्मचारी पर गांव की गरीब महिलाओं से महुआ छीनने और मजदूरों को फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगा है। इस संबंध में सरपंच बुद्धन बाई सहित ग्रामीणों ने जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत मौहरी में करीब 40 वर्षों से रेशम प्लांटेशन संचालित है, जहां स्थानीय मजदूर पीढ़ियों से काम करते आ रहे हैं और महुआ संग्रह भी करते रहे हैं। लेकिन पिछले वर्ष नियुक्त प्रभारी मनराखन पटेल पर आरोप है कि उन्होंने महुआ बीनने वाली महिलाओं कुनीबाई, हनुमतिया प्रजापति, गेदिंया बैगा, देवीकी बैगा और गुलाब से महुआ छीन लिया।

कुछ महिलाओं का महुआ बेच दिया

ग्रामीणों का कहना है कि जब इस बारे में प्रभारी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि महुआ बेचकर नलकूप खुदवाने का काम किया जाएगा। वहीं, आरोप है कि कुछ महिलाओं का महुआ अन्य लोगों को बेच भी दिया गया।

इसके अलावा कर्मचारी पर दो हरे नीम के पेड़ों को कटवाकर बेचने का भी आरोप लगाया गया है।

गांव वालों को फर्जी आरोप में फंसाने की दे रहा धमकी

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि आरोपी कर्मचारी गांव वालों को धमकी देता है कि यदि किसी ने उसके कामों में हस्तक्षेप किया तो वह खुद आग लगाकर उन्हें फर्जी मामलों में फंसा देगा। ग्राम पंचायत मौहरी की सरपंच ने इस पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर से अपील की है कि गरीब महिलाओं को न्याय दिलाया जाए और लूटे गए महुआ तथा काटे गए पेड़ों के मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।

भ्रष्टाचार पंचायत सचिव की तानाशाही, पीसीओ की झूठी रिपोर्ट और जनपद सीईओ रवि ग्वाल की रहस्यमयी चुप्पी

गौमाता का चारा भी नहीं बख्शा! कागजों में बन गया चारागाह

जमुना कोतमा नवभारत 7 अप्रैल। सरकार गौ-रक्षा और पंचायती राज को मजबूत बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने का ढिंढोरा पीटती है, लेकिन प्रदेश की एक जनपद पंचायत में सिस्टम की तानाशाही खुलकर सामने आ गई है।

बेजुबान गौमाता का मुंह का निवाला छीनकर अफसरों ने 4.32 लाख रुपये हड़प लिए, वहीं पंचायत सचिव ने नियम-कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी शुरू कर दी। दोनों घोटालों में जनपद पंचायत सीईओ रवि ग्वाल की भूमिका सबसे ज्यादा संदिग्ध नजर आ रही है। एक तरफ फर्जी चारागाह का घोटाला, दूसरी तरफ पंचायत सचिव की तानाशाही, दोनों मामलों में सीईओ की चुप्पी और लीपापोती ने जनता को भड़का दिया है।

पहला घोटाला: चारागाह के नाम 4.32 लाख रुपये डकार लिए

सरकार की योजना थी कि गौशालाओं के आसपास गायों को पर्याप्त चारा मिल सके, ताकि बेजुबान गौमाता को भूखा नहीं रहना पड़े, लेकिन जमीनी हकीकत एकदम उलट है। मौके पर चारागाह का नामोनिशान तक नहीं है। यहां एक तिनका भी नहीं उगा, घास का एक गुच्छा भी नहीं दिखता। फिर भी अफसरों की मिलीभगत से पूरा काम दिखाकर 4.32 लाख रुपये सरकारी खजाने से निकाल लिए गए। सबसे शर्मनाक बात यह है कि बिना कोई काम किए कम्पलीशन सर्टिफिकेट (पूर्णता प्रमाण पत्र) भी जारी कर दिया गया।

दूसरा घोटाला: पंचायत सचिव की तानाशाही

इसी जनपद पंचायत में पंचायत सचिव नीक राम केवट पर गंभीर आरोप लगे हैं। मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत नियम 1994 के तहत अनिवार्य स्थायी समितियों की बैठकें बिल्कुल नहीं हो रही हैं। चुने हुए पंचों के अधिकारों को पूरी तरह दरकिनार कर सचिव ने ग्राम पंचायत को अपनी मनमानी का अड्डा बना लिया है।

बिना भौतिक सत्यापन किए जा रहे मनमाने बिल पास

बताया गया कि बिना किसी भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) के सीधे 'पंचायत दर्पण पोर्टल' पर मनमाने बिल पास किए जा रहे हैं। बैक-डेट में जाली हस्ताक्षर और फर्जी प्रस्ताव तैयार करने की भी मजबूत आशंका जताई जा रही है। नियमों की कब्रगाह बन चुकी इस पंचायत में सचिव ने सरकारी खजाने को चूना लगाने का सिलसिला शुरू कर दिया है।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतें, लेकिन सिस्टम ने ढोंग रचा

जब जागरूक नागरिकों ने इन दोनों घोटालों की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज कराई, तो सिस्टम का असली चेहरा सामने आ गया। पहली शिकायत (क्र. 36846721) चारागाह घोटाले की, दूसरी शिकायत (क्र. 37380134) पंचायत सचिव की मनमानी की की गई थी। इसकी जांच पीसीओ यूजीन टोप्पो को दूसरी शिकायत की जांच सौंपी गई, लेकिन उन्होंने मौके पर जाने की बजाय एसी कमरे में बैठकर ही एक भ्रामक और पूरी तरह झूठी रिपोर्ट तैयार कर दी।

जनपद सीईओ रवि ग्वाल की चुप्पी सवालों के घेरे में

दोनों मामलों में सबसे बड़ा सवाल जनपद पंचायत सीईओ रवि ग्वाल पर है। पहली शिकायत दर्ज हुए एक महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिनस सीईओ ने शिकायतकर्ता से एक बार भी संपर्क नहीं किया, न बयान लिया, न ही सबूत मांगे। शिकायतकर्ता का सीधा आरोप है कि सीईओ जांच के नाम पर सिर्फ ढोंग रच रहे हैं और दोषी अधिकारियों की लीपापोती में पूरी ताकत से जुटे हुए हैं।